विद्याभवन,बालिका विद्यापीठ,लक्खीसराय

रूपम कुमारी वर्ग-दशम् विषय-हिन्दी

दिनांक-२८/७/२०

N.c.E.R.T syllabus

. अभ्यास-सामग्री

सुप्रभात बच्चों , विश्वास है कि पुनरावृत्ति के तहत आप सब अभ्यासरत होंगे। आज की कक्षा में हम संयुक्त वाक्य एवं मिश्र वाक्य की संक्षिप्त चर्चा करेंगे ।

सबसे पहले मुख्य क्रिया पर एक नजर डालें ।

मुख्य क्रिया– मुख्य क्रिया की पहचान यह है कि उससे वाक्य समाप्त होता है तथा अर्थ को पूर्णता मिलती है । वाक्य में जबतक मुख्य क्रिया नहीं होगी तब तक वाक्य पूर्ण

नहीं होगा । जैसे -वह रोटी खाकर विद्यालय जाता है । अगर वाक्य में जाता है न हो तो वाक्य अपूर्ण एवं अर्थहीन होगा ।

उम्मीद है कि आप मुख्य क्रिया को समझ गए होंगे ।

अब **संयुक्त वाक्य की पुनरावृत्ति –**

- संयुक्त वाक्य-. जहाँ दो या दो से अधिक उपवाक्य किसी समुच्चयबोधक (योजक) अव्यय शब्द से जुड़े होते हैं ,वे संयुक्त वाक्य कहलाते हैं ।

जैसे – **हमने सुबह से शाम तक बाजार की खाक छानी ,किंतु काम नहीं बना ।**

उपरोक्त वाक्य में हम देख रहे हैं कि दो अलग -अलग वाक्य के बीच **किंतु** (योजक)

से जुड़ा है ,अगर इसे हटाकर देखेंगे तो पता चलेगा कि दो अलग-अलग पूर्ण वाक्य बनते हैं-

हमने सुबह से शाम तक बाजार की खाक छानी ।

काम नहीं बना ।

हम देख रहे हैं कि दोनों अपने आप में पूर्ण अर्थ दे रहा है ।

उदाहरण :

जल्दी चलिए अन्यथा देर हो जाएगी ।

रात हुई और तारे निकले ।

वह सोया रहा , इसलिए गाड़ी न पकड़ सका ।

. मुझे गाड़ी पकड़नी थी , इसलिए सुबह उठा ।.

अब आप निश्चित ही संयुक्त वाक्य को समझ गए होंगे ।

संयुक्त वाक्य के किन्हीं पाँच उदाहरणों को लिखें ।

मिश्र वाक्य: जिन वाक्यों की रचना एक -से अधिक ऐसे उपवाक्यों से हुई हो ,जिनमें एक उपवाक्य प्रधान और अन्य गौण हों , उन्हें मिश्र वाक्य कहते हैं ।

जैसे – मालिक ने कहा कि कल छुट्टी होगी ।

। श्यामलाल ,जो गाँधी गली में रहता है ,मेरा मित्र है ।.

हिरण ही एक ऐसा वन्य पशु है ,जो कुलाँचें भरता है ।

ऊपर की परिभाषा को समझने के लिए आपको उपवाक्य समझना होगा ,जिसकी चर्चा हम कल करेंगे ।

शेष कल .... लेकिन ,ये जरूर बताइएगा कि क्या नहीं समझ । मैं तो इसी कल्पना से p.d. .F बनाती हूँ ,जैसे कि आप सामने हो और मैं आपको पढ़ा रही हूँ ।